

कांग्रेस में कैसर कौन? जीतू के बयान पर CM मोहन का तीखा पलटवार!

वर्षिय सूची (Table of Contents):

- >> जीतू पटवारी के कैसर वाले बयान पर मचा बवाल, CM मोहन यादव का तीखा पलटवार...
- >> सियासी गलियारों में चर्चा तेज...
- >> कांग्रेस में कौन है कैसर? मुख्यमंत्री ने प्रदेश अध्यक्ष से मांगा स्पष्टीकरण...
- >> स्पष्टीकरण की मांग...
- >> सोनिया, राहुल और खरगे दें जवाब CM यादव ने कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को घेरा...
- >> शीर्ष नेतृत्व पर उठाए सवाल...
- >> आखरि क्या था जीतू पटवारी का बयान? धार में छलका था गुटबाजी का दर्द...
- >> धार की बैठक के मुख्य बट्टि...
- >> 27 जनवरी की बड़ी सभा की तैयारियों के बीच कार्यकर्ताओं को पटवारी की नसीहत...
- >> तैयारियों का जायजा...
- >> मध्य प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी एक पुरानी बीमारी और पार्टी के लिए नई चुनौती...
- >> पार्टी के सामने खड़ी चुनौतियां...
- >> पटवारी के बयान से बैकफुट पर कांग्रेस? बीजेपी को मिला नया सियासी हथियार...
- >> बीजेपी का आक्रामक रुख...
- >> नष्टिकर्ष...
- >> अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न...

मध्य प्रदेश की सियासत में इन दनों बयानों के तीर तेजी से चल रहे हैं। आगामी 27 जनवरी को होने वाली कांग्रेस की महासभा से ठीक पहले राज्य का राजनीतिक पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है। मध्य प्रदेश कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी द्वारा पार्टी के भीतर की गुटबाजी की तुलना कैसर से करने के बाद एक नया विवाद खड़ा हो गया है।

भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने इस बयान को हाथों-हाथ लपक लिया है। सूबे के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने इस मुद्दे पर कांग्रेस को बुरी तरह घेरते हुए तीखा पलटवार किया है। मुख्यमंत्री के इस बयान के बाद मध्य प्रदेश की राजनीति में कांग्रेस का कैसर कौन? को लेकर नई बहस छड़ी गई है।

जीतू पटवारी के कैसर वाले बयान पर मचा बवाल, CM मोहन यादव क

मध्य प्रदेश कांग्रेस के अध्यक्ष जीतू पटवारी के एक हालिया बयान ने राज्य के सियासी गलियारों में भूचाल ला दिया है। उन्होंने अपनी ही पार्टी के भीतर चल रही र्वीचतान और गुटबाजी को कैसर रूपी बीमारी करार दिया। इस बयान के सामने आते ही सत्ताधारी दल बीजेपी हमलावर हो गई है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने जीतू पटवारी के इस बयान पर कड़ा तंज कसा है। सीएम ने कहा कविपिक्ष के नेताओं को जनता के सामने अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। कांग्रेस अध्यक्ष का अपनी ही पार्टी के कार्यकर्ताओं और नेताओं के प्रति ऐसा नजरिया उनकी आंतरिक कलह को सरेआम उजागर करता है।

सयिासी गलियारों में चर्चा तेज

इस बयान के बाद भोपाल से लेकर दिल्ली तक राजनीतिक सरगर्मियां बढ़ गई हैं। बीजेपी इस मौके को गंवाना नहीं चाहती और लगातार कांग्रेस की अंदरूनी फूट को जनता के बीच ले जा रही है। लेटेस्ट अपडेट (Latest Update) के अनुसार, इस बयान से कांग्रेस के कई जमीनी कार्यकर्ता भी असहज महसूस कर रहे हैं।

कांग्रेस में कौन है कैंसर? मुख्यमंत्री ने प्रदेश अध्यक्ष से

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सीधे तौर पर जीतू पटवारी से सवाल किया है कि वह आखिर कांग्रेस के भीतर किस कैंसर मान रहे हैं। मुख्यमंत्री ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि प्रदेश अध्यक्ष को खुलकर नाम बताना चाहिए ताकि स्थिति पूरी तरह साफ हो सके।

सीएम यादव ने चुटकी लेते हुए कहा, हमें तो समझ ही नहीं आ रहा है कि कांग्रेस में इस वक्त कौन कैंसर से पीड़ित है और कौन इस बीमारी को फैला रहा है। उन्होंने कहा कि पार्टी के भीतर इस तरह की शब्दावली का इस्तेमाल करना यह दर्शाता है कि अंदरूनी हालात कितने खराब हो चुके हैं।

स्पष्टीकरण की मांग

- >> स्थिति स्पष्ट करें: जीतू पटवारी को बताना चाहिए कि उनका इशारा किस गुट की तरफ था।
- >> आंतरिक कलह: क्या कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ही पार्टी को अंदर से कमजोर कर रहे हैं?
- >> सार्वजनिक मंच: सार्वजनिक बैठकों में इस तरह के गंभीर शब्दों का प्रयोग क्यों किया गया?

सोनिया, राहुल और खरगे दें जवाब: CM यादव ने कांग्रेस के शीर्ष

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने इस विवाद में कांग्रेस के केंद्रीय आलाकमान को भी घसीट लिया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में राहुल गांधी, सोनिया गांधी और राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे जैसे बड़े और कद्दावर नेता मौजूद हैं। ऐसे में इतने वरिष्ठ

नेताओं की मौजूदगी में प्रदेश अध्यक्ष का यह बयान बेहद गंभीर है।

सीएम ने मांग की है कि कांग्रेस के इन दगिगज नेताओं को देश और प्रदेश की जनता के सामने यह स्पष्ट करना चाहिए कि जीतू पटवारी का कैसर वाला तीर किस पर चला है। क्या आलाकमान भी मध्य प्रदेश इकाई के इस आकलन से सहमत है?

शीर्ष नेतृत्व पर उठाए सवाल

मुख्यमंत्री ने साफ कहा कि जब दिल्ली से पूरी पार्टी संचालित होती है, तो मध्य प्रदेश के इस बड़े बयान पर आलाकमान चुप क्यों है? उन्हें इस मुद्दे पर अपनी आधिकारिक स्थिति (Status) स्पष्ट करनी चाहिए। इसी बीच, देश के अन्य हिस्सों में भी प्रशासनिक बदलाव देखने को मलि रहे हैं, जैसे सीतापुर: 8 जुलाई से स्कूलों पर बड़ा एक्शन, जब्त होंगे वाहन! की कार्रवाई चल रही है।

आखरि क्या था जीतू पटवारी का बयान? धार में छलका था गुटबाजी का

यह पूरा ववाद तब शुरू हुआ जब मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी रविवार को धार जलि के धरमपुरी क्षेत्र के दौरे पर पहुंचे थे। वहां उन्होंने आगामी पार्टी कार्यक्रमों की समीक्षा के लिए स्थानीय कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई थी।

इस बंद कमरे की बैठक में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए जीतू पटवारी का दर्द छलक पड़ा। उन्होंने भावुक और तल्ख लहजे में कहा कि अगर कांग्रेस को राज्य में फरि से मजबूत करना है, तो हमें इस कैसर रूपी गुटबाजी को हमेशा के लिए खत्म करना होगा। उनका इशारा साफ तौर पर नेताओं के अलग-अलग धड़ों की तरफ था।

धार की बैठक के मुख्य बिंदु

पटवारी ने कार्यकर्ताओं को नसीहत देते हुए कहा कि जब तक हम आपसी मतभेदों को भुलाकर एक मंच पर नहीं आएं, तब तक चुनावी समर में वजिय पाना नामुमकनि है। उन्होंने माना कि भीतरघात और गुटबाजी ही कांग्रेस की सबसे बड़ी कमजोरी बन चुकी है।

27 जनवरी की बड़ी सभा की तैयारियों के बीच कार्यकर्ताओं को पटव

जीतू पटवारी का यह बयान ऐसे समय पर आया है जब मध्य प्रदेश कांग्रेस एक बेहद महत्वपूर्ण आयोजन की तैयारियों में जुटी

हुई है। आगामी 27 जनवरी 2026 को धार में कांग्रेस की एक विशाल जनसभा होने जा रही है। इस सभा में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा सांसद राहुल गांधी और वायनाड की सांसद प्रयिका गांधी वाशरा शरिकत करने वाले हैं।

इतने बड़े शक्ति प्रदर्शन से ठीक पहले प्रदेश अध्यक्ष द्वारा गुटबाजी का रोना रोने से पार्टी की तैयारियों पर असर पड़ सकता है। पटवारी दरअसल कार्यकर्ताओं को एकजुट होकर इस कार्यक्रम को सफल बनाने की नसीहत दे रहे थे, लेकिन उनका कैसर शब्द ही उन पर भारी पड़ गया।

तैयारियों का जायजा

कांग्रेस नेता इस वक्त सभा के रूट मैप, सुरक्षा और भीड़ जुटाने के लिए सूचियों (List) का मल्लान कर रहे हैं। हालांकि, इस बयानबाजी ने नेताओं का ध्यान मुख्य आयोजन से भटका दिया है। खेल जगत की बात करें तो वहां भी बड़े बदलाव देखने को मलि रहे हैं, जैसे हाल ही मेंसूर्यकुमार यादव को टी20 टीम से बाहर कथिया गया!जसिने प्रशंसकों को चौंका दिया है।

मध्य प्रदेश कांग्रेस में गुटबाजी: एक पुरानी बीमारी और पार्टी

मध्य प्रदेश में कांग्रेस के लिए गुटबाजी कोई नई बात नहीं है। दग्विजय सहि, कमलनाथ और पूर्व में ज्योतरिदतिय सधिया के दौर से ही पार्टी अलग-अलग खेमों में बंटी रही है। जीतू पटवारी के अध्यक्ष बनने के बाद उम्मीद थी कि गुटबाजी थमेगी, लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और ही बयां कर रही है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि पटवारी का यह बयान उनके भीतर की हताशा को दर्शाता है। वह संगठन में बड़े बदलाव करना चाहते हैं, लेकिन पुराने क्षत्रप और उनके समर्थक नए नेतृत्व को पूरी तरह स्वीकार नहीं कर पा रहे हैं। यही वजह है कि उन्हें सरेआम कार्यकर्ताओं को यह कड़ी नसीहत देनी पड़ी।

पार्टी के सामने खड़ी चुनौतियां

>> समन्वय की कमी: वरिष्ठ नेताओं और युवा नेतृत्व के बीच तालमेल की भारी कमी।

>> कार्यकर्ताओं का मनोबल: लगातार चुनावी हार और आंतरिक कलह से जमीनी कार्यकर्ता हताश हैं।

>> वपिक्ष का हमला: बीजेपी हर छोटे-बड़े विवाद को बड़ा मुद्दा बनाने में माहिर है।

पटवारी के बयान से बैकफुट पर कांग्रेस? बीजेपी को मिला नया सयि

जीतू पटवारी के इस आत्मघाती बयान के बाद कांग्रेस पूरी तरह से बैकफुट पर नजर आ रही है। पार्टी के प्रवक्ता अब इस बयान का बचाव करने और इसका अलग अर्थ समझाने में जुटे हैं। दूसरी तरफ, बीजेपी इस मुद्दे को वधानसभा से लेकर सोशल मीडिया तक भुनाने की रणनीति बना रही है।

बीजेपी के प्रदेश नेतृत्व का कहना है कि जो पार्टी खुद को अंदरूनी कैंसर से नहीं बचा पा रही है, वह मध्य प्रदेश की जनता का विकास क्या करेगी। लोकसभा और वधानसभा चुनावों में करारी शक्ति के बाद कांग्रेस के पास खुद को साबित करने का यह बेहतरीन मौका था, जिसे इस बयान ने ववादों में डाल दिया है।

बीजेपी का आक्रामक रुख

आगामी दिनों में बीजेपी इस मुद्दे को लेकर कांग्रेस के खिलाफ और आक्रामक रुख अपना सकती है। पार्टी इस बयान के वीडियो क्लिप्स और खबरों की पीडीएफ (PDF) प्रतियां सोशल मीडिया पर साझा कर रही है। राजनीति से इतर, युवाओं के लिए रोजगार के मोर्चे पर एक बड़ी खबर आ रही है कि तीसरी आंख से नहीं मल्लिगा रोजगार! एकाएक 1 लाख भर्ती से CM योगी चौंका देंगे युवाओं को, जिसे उत्तर प्रदेश के युवाओं में भारी उत्साह है।

नष्कर्ष

जीतू पटवारी का धार में दिया गया बयान भले ही कार्यकर्ताओं को एकजुट करने के इरादे से दिया गया हो, लेकिन राजनीति में शब्दों का चयन बेहद मायने रखता है। कैंसर जैसे भारी-भरकम शब्द का इस्तेमाल करके उन्होंने अनजाने में बीजेपी को एक बड़ा सयिसी मुद्दा थमा दिया है।

अब देखना यह होगा कि 27 जनवरी को होने वाली महासभा में राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे इस ववाद पर क्या रुख अपनाते हैं। क्या कांग्रेस इस आंतरिक कलह को खत्म कर पाएगी या फिर मुख्यमंत्री मोहन यादव का यह हमला आगामी चुनावों में कांग्रेस पर भारी पड़ेगा, यह आने वाला वक्त ही तय करेगा।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

जीतू पटवारी ने धार के धरमपुरी में कार्यकर्ताओं की बैठक के दौरान कहा था कि कांग्रेस के भीतर की गुटबाजी कैंसर की तरह है, जिसे खत्म करना बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री मोहन यादव ने तंज कसते हुए पूछा कि कांग्रेस में आखरि कैसर से कौन पीड़ित है? उन्होंने जीतू पटवारी और कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं से इस पर स्पष्टीकरण (Status Check) मांगा है।

मुख्यमंत्री ने सोनिया गांधी, राहुल गांधी और कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे का नाम लेते हुए कहा कि इन शीर्ष नेताओं को प्रदेश अध्यक्ष के बयान पर सफाई देनी चाहिए।

यह बयान जीतू पटवारी ने मध्य प्रदेश के धार जिले के धरमपुरी में आयोजित एक कार्यकर्ता बैठक के दौरान दिया था।

27 जनवरी को धार में कांग्रेस की एक बड़ी जनसभा होने वाली है, जिसमें मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी शामिल होने जा रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ताओं के अनुसार, यह पार्टी का आंतरिक मामला था और पटवारी का उद्देश्य कार्यकर्ताओं को एकजुट रहने के लिए प्रेरित करना था, न कि किसी का अपमान करना।

इस विवाद के कारण कांग्रेस रक्षात्मक मुद्रा में आ गई है, जिससे आगामी रैली के मुख्य मुद्दों से ध्यान भटकने और बीजेपी को हमला करने का नया मौका मिला गया है।

इस खबर की विस्तृत कवरेज, वीडियो और राजनीतिक बयानों की सूची (List) मुख्यधारा के समाचार चैनलों जैसे ABP न्यूज़ पर उपलब्ध है।